चनैनी-नाशरी सुरंग में सुरक्षा व रोशनी रही बड़ी चुनौती

जागरण संवाददाता, जम्मू : देश की सबसे लंबी चनैनी-नाशरी सुरंग परियोजना का हिस्सा बनना वाकई प्रतिष्ठा और विशेषाधिकार है। कार्यों को पूरा करने में चुनौतियों के अंबार थे। समय-समय पर मौसम की स्थितियां बहुत हतोत्साही एवं कष्टदायक थीं। इंजीनियरों, कर्मचारियों ने सभी परेशानियों को चुनौतियों के तौर पर लिया और तमामं कठिनाइयों का बहादुरी से सामना करते हुए यह सुनिश्चित किया कि यह सुरंग वर्ष के सभी 365 दिनों में सुरक्षा विशेषताओं की स्थिति के साथ 24×7 प्रकाशवान रहे। स्टर्लिंग एंड विल्सन के प्रेसीडेंट बिकेश ओगरा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि परियोजना के सफलतापूर्वक पूरा होने पर भारत सहित विदेश में उनकी कंपनी की ख्याति में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि स्टर्लिंग एंड विल्सन, विलक्षण शापूरजी पल्लोनजी समूह का एक हिस्सा है। एनएच-1-ए खंड के आर-पार चिनैनी से नाशरी को जोड़ने वाली चार लेन वाली सुरंग के 11 केवी सब-स्टेशन, वितरण एवं सहायक कार्यों के डिजाइन, निर्माण तथा मोड़ संबंधित हल निकालने में घनिष्ठ रूप से संशक्त है। इस सुरंग के शुरू होने से जम्मू एवं कश्मीर के 1.22 करोड़ लोगों को लाभ मिला है। इससे कश्मीर देश के अन्य राज्यों के और निकट आ गया है। ओगरा ने इस परियोजना को एक इंजीनियरिंग चमत्कार बताया। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना का उद्घाटन करते हुए इसे राष्ट्रीय परिसंपत्ति के तौर पर मान्यता दी। स्टर्लिंग एंड विल्सन ने 9.2 किलोमीटर लंबी इस सुरंग में संचार, विद्युत आपूर्ति, घटना संसूचन, एसओएस कॉल बॉक्स एवं अग्निशमन जैसी पूर्ण-एकीकृत नियंत्रण प्रणालियों को स्थापित किया है। यही नहीं कंपनी ने इस सुरंग में दो स्तरीय प्रकाश प्रणाली डिजाइन और प्रतिष्ठापित की है जो वायु संचालन प्रणालियों की सहायता से वर्ष के सभी 365 दिनों में चौबीस घंटे चलती रहेंगी।